

केसरिया स्तूप

चर्चा में क्यों?

केसरिया स्तूप विश्व का सबसे बड़ा बौद्ध स्तूप है। यह बिहार के पूर्वी चंपारण ज़िले में पटना से 110 किलोमीटर की दूरी पर केसरिया में स्थित है।

मुख्य बटु:

- स्तूप का पहला निर्माण ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी का माना जाता है। मूल केसरिया स्तूप संभवतः **अशोक के समय (लगभग 250 ईसा पूर्व)** का है, क्योंकि अशोक के एक स्तंभ की राजधानी के अवशेष वहाँ खोजे गए थे।
- वर्तमान स्तूप **200 ईसवी और 750 ईसवी के बीच गुप्त राजवंश का है** तथा संभवतः चौथी शताब्दी के शासक **राजा चक्रवर्ती** से जुड़ा हुआ है।
- स्तूप टीले का उद्घाटन बुद्ध के समय में भी किया गया होगा क्योंकि यह कई मायनों में वैशाली के लच्छिवरियों द्वारा बुद्ध द्वारा दिये गए भिक्षुपात्र को रखने के लिये बनाए गए स्तूप के वर्णन से मेल खाता है।
 - प्राचीन काल में केसरिया मौर्य और लच्छिवरियों के शासन के अधीन था।
- प्राचीन काल में दो महान् वैदेशी यात्रियों, **फैक्सिन (फाह्यान)** और **जुआन जांग (ह्वेन त्सांग)** ने इस स्थान का दौरा किया था तथा उन्होंने अपनी यात्राओं के दलिले एवं जानकारीपूर्ण विवरण छोड़े हैं।
- **कृषाण वंश (30 ईसवी से 375 ईसवी)** के प्रसिद्ध सम्राट **कनक्षिक** की मुहर वाले सोने के सिक्कों की खोज केसरिया की प्राचीन वसति को और स्थापित करती है।
- इसकी खोज वर्ष 1814 में कर्नल मैकेंज़ी के नेतृत्व में इसकी खोज के बाद 19वीं शताब्दी की शुरुआत में शुरू हुई थी।
- बाद में, वर्ष 1861-62 में जनरल कनधिम द्वारा इसकी खुदाई की गई और वर्ष 1998 में पुरातत्त्ववेत्ते के.के. मुहम्मद के नेतृत्व में एक ASI टीम ने इस स्थल की उचित खुदाई की थी।



